"क्रिसमस की शुभ कामनाये"

क्रिसमस क्या है? कुछ लोग समझते हैं कि यह साल का सबसे बड़ा त्यौहार है। यह दुख है वहुत लोग भुल चुके है कि क्रिसमस का असली मतलब क्या है।

आप चाहें किसी भी धर्म मे विश्वास करें, और आपका कोई भी सामाजिक सुस्थिती हो क्रिसमस वह है, जब परमेश्वर ने ईस संसार को सबसे बड़ा तौहफा दिया, एक छोटे शिशु के नाम रूप में।

वह छोटे शिशु का नाम येशु है।

येशु का उद्देश्य था कि लोगा को प्यार का संदेश, आशा और मुक्ती देना।

परमेश्र को तरफ से भेजने के बावजुद वह एक अस्तबल के फर्श मे पैदा हुये थे। उस जगह पर जहाँ जानवर खाना खाते थे, वह उनका पहला बिस्तरा था, वह जब पैदा हुये, सिर्फ कुछ चरवाहे हि उनके पहले मेहमान थे।

येशु साधारण मनुष्य को तरह अपना जीवन बिताते रहे, ताकि वो हमें अच्छी तरह समझ सकें और हमें प्यार दे सकें।

येशु जब कभी भी गये वह शुभ काम करते रहे, लोगों कि मदद करना उनको शान्ति देना जो लोग बिमार थे, उन्होने उनको स्वस्थ किय, जग लोंगो को भुख लगी, उनको खाना दिया। येशु तो अपने जिंदगी प्यार के लिये हंसते हुये कुर्बान कर दी। उनका आदेश था कि, परमेश्वर को अपने पुरे दिल से प्यार करें और अपने पड़ोसियों को थी अपनी तरह सं प्यार करें।

उनके उपर झुटा इल्जाम लगा कर, सुली पर चड़वाया गया पर तीन दिन के बाद वह अपनी कब्र से निकले, लोगों को दिखाने के लिये कि वह मृत्यु से भी महान हैं। सिर्फ हमारे पापों के लिये उन्होनें अपनी जिन्दगी कुर्बान कर दिया। उन्होनें कहा की, मैं ही रास्ता हुँ, सत्य हुँ, जिंदगी हुँ।

अगर आप सचमुच जानना चाहते हैं कि येशु आपको मुक्ती दे सकते है। तब ये प्रर्थना आपको पूरे दिल से करना पड़ेगा, "प्रिय येशु आपके प्यार के लिये बहुत शुक्रियां मैं आपको जानना चाहता हुँ। मँ मनता हुँ कि मैंने गलतियां की है। मेरी सब गलतियों को माफ कर दो, मुझे आपके प्यार को दुसरे के साथ बांटने के लिये शक्ति दो, और मुंझे अमर जीवन दो। अगर आपने यह प्रार्थना पुरे दिल से करी, तो आप प्रभु येशु के बच्चे हैं।

अगर आप प्रभु येशु के बारे में और जानना चाहते हैं, आप उनेक बारे में बाड़बल में यौहत्रा की कीताब में पड़ सकते हैं। अगर आप हमें लिखें तो हम आपको यौहत्रा की कीताब भज सकते है।

हम आप सब लोगों को सच्चे दिल से क्रिसमस बड़ा दिन और नये साल की शुभ कामनायें देने है।

Visit: www.johanpeters.in
Contact: info@johanpeters.in